Yamuna Aarti Lyrics in Hindi PDF

जय जय श्री यमुना, माँ धन्य धन्य श्री यमुना।
जोता जनम सुधार्या , जोता जनम सुधार्या ,
धन्य धन्य श्री यमुना , माँ जय जय श्री यमुना॥1।

शामलाडी सूरत माँ मूरत माधुरी, माँ मूरत माधुरी।
प्रेम सहित पटरानी, पराक्रमे पूरया, माँ जय जय श्री यमुना॥2।

गह्वर चाल्या माँ, गंभीरे घेरया , माँ गम्भीरे घेरया।
चूंदडिये चटकाव्या पहरया ने लहरया माँ जय जय श्री यमुना॥3।

श्री यमुना जी के सुन्दर सुन्दर वस्त्र, फोटो ,एवं सभी प्रकार के आइटम उचित मूल्य पर खरीदने के लिए क्लिक करें

भुज कंकण रूडा माँ गुजरिया चूड़ी, माँ गुजरिया चूड़ी।
बाजूबंद ने वेरखा, पहोंची रत्न जड़ी माँ जय जय श्री यमुना॥4।

झांझर ने झमके माँ बिछिया ने ठमके, माँ बिछिया ने ठमके।
नूपुर ने नादे माँ घूघरी ने घमके माँ जय जय श्री यमुना॥5।

सोला श्रृंगार सज्या माँ नकबेसर मोती , माँ नकबेसर मोती।
आभरण मा आपो छो , दर्पण मुख जोता माँ जय जय श्री यमुना॥6।

तट अंतर रूडा माँ शोभित जल भरिया, माँ शोभित जल भरिया।
मनवांछित मुरलीधर, सुन्दर वर वरिया माँ जय जय श्री यमुना॥7।

लाल कमल लपटया माँ जोवाने गया था, माँ जोवाने गया था।
कहे माधव परिक्रम्मा , ब्रज नी करवा ने गया था माँ जय जय श्री यमुना॥8।

जय जय श्री यमुना, माँ धन्य धन्य श्री यमुना।
जोता जनम सुधार्या , जोता जनम सुधार्या , धन्य धन्य श्री यमुना

माँ जय जय श्री यमुना